

**T - 5734****B. A. LL. B. (Seventh Semester)****EXAMINATION, Nov./Dec., 2017****Paper - 704****INTERPRETATION OF STATUTES***Time : Three Hours**Maximum Marks : 80**Minimum Pass Marks : 29*

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

1. कानूनों के निर्वचन से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से समझाइए।

What do you understand by the term Interpretation of statutes ? Explain in detail.

2. कानूनों के निर्वचन के आन्तरिक सहायकों की विवेचना कीजिए।

Discuss the internal Aids in the Interpretation of Statutes.

3. निर्वचन के बाह्य सहायकों के रूप में "विधि आयोग की रिपोर्ट" तथा शब्दकोषों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

Explain the importance of "Law Commission reports and 'Dictionaries' as external aids to interpretation.

4. सुसंगत वाद विधि का उल्लेख करते हुए निर्वचन के "स्वर्णिम नियम" की विवेचना कीजिए। यह निर्वचन के शाब्दिक नियम से कैसे भिन्न है ?

While referring to relevant case law discuss the "Golden Rule" of interpretation ? How is it different from "Literal rule of interpretation.

5. सहचारी शब्दों के अर्थ का नियम क्या है ? यह सहचारी शब्द "नॉसिटर ए सोसायस" सिद्धान्त के अन्तर्गत एक दूसरे से अर्थ ग्रहण करते हैं ? विवेचना कीजिए।

What is the rule of construction of associate words ? Associated words take their meaning from one another under the doctrine of Noscitur a Sociis. Discuss.

6. कब अधिनियम का हितकारी अर्थ निर्वचन के अन्तर्गत ग्राह्य है ? अपने उत्तर के समर्थन में किसी निर्णीत वाद का उदाहरण दीजिए।

When beneficial construction of a statute is permissible under the rule of Interpretation ? Cite any decided case in support of your answer ?

7. समन्वयपूर्ण निर्वचन के नियम की व्याख्या कीजिए।  
उसके प्रयोग के कुछ उदाहरण दीजिए।

Discuss the rule of Harmonious construction. Give some examples of its applications also.

8. दण्डिक संविधियों का निर्वचन कठोरता से किया जाना चाहिए। इस कथन को समझाइये। यदि कोई अपवाद हो तो बताइये।

'Penal Statutes' are to be interpreted strictly. Explain, state the exceptions ? If any. Explain.

9. भारतीय संविधान में निहित तीन सूचियों के अन्तर्गत प्रदत्त विधायन की शक्तियों के निर्वचन के संबंध में "रंगीन विधायन" के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।  
Discuss the doctrine of "Colourable legislation with regard to the interpretation of legislative powers conferred under the three lists contained in the Indian Constitution.

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-

- (i) पार्श्व टिप्पणी
- (ii) सार तथा तत्व का सिद्धान्त
- (iii) उद्देशिका
- (iv) धाराओं के शीर्षक।

Write short notes on any *two* of the following-

- (i) Marginal note
- (ii) Doctrine of Pith and substance
- (iii) Preamble
- (iv) Heading of sections.